पीएम-सीएम के तालमेल व विजन से चमकी उत्तर प्रदेश की किस्मत

भूमि पूजन समारोह में आए उद्योगपतियों ने योगी सरकार के प्रयासों को सराहा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। भूमि पूजन समारोह के बहाने उद्योग उत्सव और मेहमाननवाजी ने उद्यमियों का दिल जीत लिया। निवेश जैसे भारी भरकम विषय को आम लोगों के बीच चर्चा का विषय बना देने की कला पर कारोबारी बोले कि शायद इसी को डबल इंजन की सरकार कहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के बीच तालमेल और विकास की भूख ने उत्तर प्रदेश का सूरत-ए-हाल बदला है।

सोमवार को देशभर से समारोह में शिरकत करने आए उद्योगपतियों ने सीएम और पीएम के विजन और प्रयासों को खुलकर सराहा। उन्होंने कहा कि पहले सुना ही था। अब पहली बार देख रहे हैं कि केंद्र और राज्य के समन्वय का असर कितना क्रांतिकारी हो सकता है। उनका कहना था कि सरकार चाह ले तो कुछ भी असंभव नहीं। कभी उपेक्षित पड़ा उत्तर प्रदेश आज दुनियाभर के लिए अपेक्षित हो गया है। आज दुनिया में जहां भी जाते हैं, यूपी वाला जानकर सम्मान बढ़ जाता है।

कारोबारियों का कहना था कि कारोबार सुधार न केवल आसान हुए हैं बल्कि व्यापार और उद्योगों के लिए भी अनुकूल वातावरण बना है। इसी वजह से यूपी में निवेश के लिए आ रहे हैं। कानून व्यवस्था को उद्योगों के लिए सबसे जरूरी बताने वाले कारोबारियों ने कहा कि उद्यमी अब डरकर नहीं जी रहे हैं। हफ्ता वसूली जैसे शब्द गुजरे जमाने की बात हो चुके हैं उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि यदि पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा दी गई राहत मिल जाए तो हजारों लोगों को इसका फायदा मिलेगा। जिसका सीधा असर यूपी की तरक्की पर दिखाई देगा।

दिल्ली से आए निवेशक विवेक कुमार कहते हैं, हमारी कंपनी यूपी में निवेश कर रही है। माहौल देखकर लग रहा है कि यूपी का भविष्य उज्ज्वल है। निवेश सार्थक होगा, यही सोचकर पैसा लगा रहा हूं। सरकार सहयोग करेगी, यह मुझे पूरी उम्मीद है। ऐसे ही मेरठ से आए राजीव गोयल कहते हैं, मैं होटल इंडस्ट्री में निवेश कर रहा हूं। अयोध्या, नोएडा में होटल श्रृंखला तैयार कर रहा हूं। माहौल देखकर लग रहा है कि मेरा निवेश रंग लाएगा। इस समय यूपी पर्यटन का हब बना है, इससे होटल इंडस्ट्री में निवेश बेहतर रहेगा। गोरखपुर से आई दीपा सिंह कहती हैं कि पीएम से लेकर सीएम तक सभी ने यहां माहौल बेहतर बनाया है। कार्यक्रम को देखकर निवेश करने का मेरा निश्चय और मजबूत हो गया है।

जेके सीमेंट ने पश्चिमांचल, पूर्वांचल और बुंदेलखंड में अपने प्लांट लगाए हैं। अलीगढ़ और हमीरपुर का प्लांट शुरू हो चुका है। प्रयागराज प्लांट चार महीने में शुरू हो जाएगा। करीब 1500 करोड़ का निवेश है और प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से 1000 को रोजगार मिलेगा। सरकार के कामकाज की बात करें तो जमीन पर ही भावनाएं दिख रही हैं। हर सेक्टर में तरक्की हो रही है। एक मजबूत सिस्टम बनाया गया है जिसके जरिये विकास की बुनियाद को मजबूत करने पर फोकस किया गया है। यह अच्छा संकेत है।

-माधवकृष्ण सिंहानिया, सीईओ, जेके सीमेंट

ये नया उत्तर प्रदेश है। मैंने यहीं पर कारोबार की नींव रखी और आज यहां तक पहुंचा हूं। आज का उत्तर प्रदेश सरकार की इच्छाशक्ति का जीता जागता प्रमाण है। कैसे किसी राज्य की नकारात्मक छवि को सकारात्मक में बदला जा सकता है, यूपी इसका उदाहरण हो सकता है। नीतियों पर अमल इसी तरह होता रहे तो दस खरब डालर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को 2027 तक हासिल करना संभव है। आज आईटी से लेकर धार्मिक पर्यटन तक में यूपी का बोलबाला है।

-वरुण तिवारी, एमडी, त्रिवेणी अलमीरा

पहले का भी यूपी भी देखा है। अपराधों में अंकुश से उद्यमियों का मनोबल बढ़ा है। 2100 करोड़ से स्टील प्लांट के विस्तार के साथ सौर ऊर्जा में भी प्रवेश किया है। सौर ऊर्जा को लेकर सरकार की नीति शानदार है। एक करोड़ घरों में 'सोलर पावर' लगाने का एलान, पीएम के शानदार विजन की झलक दिखाता है। अपनी कर्मभूमि बुंदेलखंड को बनाया है। यहां एक हजार लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। सरकार से निवेदन है कि पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा दी गई राहत भी मिल जाए तो उद्योगों का काफी भला होगा।

-योगेश अग्रवाल, एमडी, रिमझिम इस्पात

उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' से 'उद्यम प्रदेश' बनाने के सफर में प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के बीच तालमेल की अहम भूमिका रही है। दोनों नेताओं के एकजुट प्रयासों ने राज्य के विकास को गति दी है, जिससे ये निवेश का आकर्षक केंद्र बन गया है। व्यापार और उद्योगों के लिए भी अनुकूल वातावरण बना है। ये तालमेल उत्तर प्रदेश की क्षमता को साकार करने में महत्वपूर्ण रहा है। यह एक उदाहरण है कि कैसे सहयोगात्मक नेतृत्व राज्य के विकास और समृद्धि में शानदार प्रगति ला सकता है।

-विनीत मित्तल, चेयरमैन, अवाडा ग्रुप